जैव संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान

(जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार)
टेकिलपाट, इंफाल 795001, भारत

जैव संसाधन और स्थायी विकास संस्थान (आईबीएसडी) "पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु जैव प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से जैव संसाधनों के विकास और उनके स्थायी उपयोग" के मिशन के साथ कार्य कर रहा है।आईबीएसडी का मुख्य लक्ष्य "इंडो-बर्मा जैव विविधता हॉट स्पॉट के अंतर्गत आने वाले भारतीय क्षेत्र में जैव संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन" करना है। आईबीएसडी ने जैव संसाधनों और अन्य गतिविधियों के विकास के लिए, पूर्वोत्तर क्षेत्र में तीन अन्य क्षेत्रीय संस्थाओं की स्थापना की है, जिसमें सिक्किम में गैंगटोक में इसके क्षेत्रीय केंद्र और मेघालय के शिलॉन्ग और मिजोरम के आइजोल में अनुसंधान नोड शामिल हैं।

आईबीएसडी का प्रमुख उद्देश्य हैं:

(i) भारतीय और पूर्वी भू भागों के जैव-भौगोलिक जुड़ाव के स्थान की अद्वितीय जैव विविधता का अध्ययन और दस्तावेजीकरण करना।
(ii) जैव संसाधनों के सतत विकास और संवर्धन के लिए जैव-प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप और ट्रांसलेशन संबंधी अनुसंधान।
(iii) जैव संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में क्षमता निर्माण करना।
(iv) जैव संसाधनों में अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों/संगठनों/विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करना।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। मैं संस्थान के सभी अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि आधिकारिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग करें।

नमस्कार

प्रोफ़ेसर पुलोक कुमार मुखर्जी
निर्देशक
आईबीएसडी, इंफाल